मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम 0 ए 0 प्रथम वर्ष ,सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि..... **15 मई 2016**

कोर्स शीर्षक - नाटक एवं नाट्यशास्त्र **कोर्स कोड - एमएएसएल 104**

प्रोग्राम कोड - एम ए एस एल -12 **अधिकतम अंक - 40**

ग्रीष्मकालीन सत्र - **2015 -16**

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड ' क' में आठ प्रश्न दिये गये हैं। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड ' ख ' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड ' क '

1. नाट्यशास्त्र के स्वरूप को लिखिए।
2. नाट्यशास्त्र के टीकाकारों का नाम लिखकर किन्हीं दो का परिचय दीजिए।
3. दशरूपक के चार भेदों का परिचय दीजिए ।
4. रूपक किसे कहते है ? इसके भेदों का नाम लिखिए।
5. अवस्थानुकृतिर्नाट्यम् की व्याख्या कीजिए।
6. नाटक का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।
7. नाटिका किसे कहते हैं , नाटक और नटिका में क्या अन्तर है , उल्लेख कीजिए ।
8. प्रमुख नायिका भेदों का उल्लेख कीजिए ।

खण्ड 'ख'

1. भरतमुनि कौन थे ? नाट्यशास्त्र का परिचय लिखिए ।
2. नायक भेदों का परिचय देते हुए ,उनके लक्षण और उदाहरण लिखिए।
3. रस किसे कहते हैं , अभिनवगुप्त के मत में रस सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
4. ' **रूपकं तत्समारोपात्** ' की व्याख्या कीजिए ।